आवाजाही, वाहन पंजीकरण में तेजी

ताजा हफ्ते के दौरान कुल 395,022 वाहनों का पंजीकरण हुआ जो 2019 की तुलना में 8.7 फीसदी अधिक था

सचिन मामबटा और कृष्ण कांत

पहले की तुलना में अधिक लोग अपने घरों से बाहर निकले और आवाजाही के कई संकेतकों में वृद्धि दिख रही है। सर्च इंजन गूगल के आवाजाही से जुड़े आंकड़े दर्शाते हैं कि पिछले हफ्ते की तुलना में खुदरा दुकानों और मनोरंजन स्थलों पर जाने वालों की तादाद पहले से अधिक थी। महामारी के दौरान इसने लोगों की गतिविधियों का अंदाजा लगाने के लिए अनाम लोकेशन डेटा का इस्तेमाल किया। इस तरह की गतिविधि जाने वाली जगह के हिसाब से श्रेणीबद्ध होती है। ताजा हफ्ते के दौरान कार्यस्थल पर जाने वालों की तादाद अधिक रही। महामारी की शुरुआत के बाद से ही पार्क जाने वालों की संख्या अधिक थी।

एक सप्ताह पहले की तुलना में भारतीयों ने अधिक वाहनों का पंजीकरण कराया। ताजा हफ्ते के दौरान कुल 395,022 वाहनों का पंजीकरण हुआ। यह 2019 की समान अवधि की तुलना में 8.7 फीसदी अधिक था। हफ्ते में पहली बार कुल संख्या में काफी तेजी देखी गई है। ताजा हफ्ते के दौरान 2019 की तुलना में कम पंजीकरण हुआ।

देश भर के बिजली संयंत्रों ने 5 जून को खत्म हुए सप्ताह के दौरान रोजाना औसतन 471.8 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन किया। यह 2019 के समान सप्ताह के दौरान 411.9 करोड़ यूनिट बिजली उत्पादन की तुलना में 14.6 फीसदी अधिक है। बिजली उत्पादन में साप्ताहिक आधार पर आठ प्रतिशत की तेजी आई।

ताजा हफ्ते के दौरान लोगों ने निश्चित संख्या में विमान सेवाएं लेनी जारी रखी। रोजाना औसतन 350,000 से अधिक लोगों ने घरेलू विमान लेना जारी रखा और पिछले हफ्ते की तरह ही 2,700 से अधिक विमानों ने रोजाना उड़ान भरी। एक सप्ताह पहले की तुलना में भारतीय रेलवे के माल ढुलाई के आंकड़े में धीमी वृद्धि हुई। पिछले हफ्ते माल ढुलाई की मात्रा में 9.36 फीसदी की तेजी रही जबकि इससे पहले के हफ्ते के दौरान 17.71 फीसदी की तेजी देखी गई थी। माल ढुलाई से होने वाली कमाई में 16.8 फीसदी की तेजी आई जबकि इससे पिछले हफ्ते इसमें 22.96 फीसदी की तेजी रही। महामारी से पहले बड़े शहरों में सामान्य की तुलना में कम यातायात दिखा। सोमवार सुबह 9 बजे मुंबई का यातायात 2019 की तुलना में 50 फीसदी कम था जबकि नई दिल्ली में यह 49 फीसदी कम था।

साप्ताहिक संकेतक

बिज़नेस स्टैंडर्ड अर्थव्यवस्था की साप्ताहिक तस्वीर का अंदाजा लेने के तरीके के रूप में इन संकेतकों का जायजा लेता है। आधिकारिक सरकारी डेटा अक्सर अंतराल के साथ जारी किए जाते हैं। दुनिया भर के विश्लेषक समान तरह के संकेतकों का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि वे यह जान पाएं कि महामारी की कई लहरों और महामारी को नियंत्रित करने के लिए लगाए गए सरकारी प्रतिबंधों की वजह से अर्थव्यवस्थाएं कैसे प्रभावित हो रही हैं। गूगल डेटा अक्सर अंतराल के साथ जारी होते हैं। ताजा आंकड़े 1 जून के हैं। यातायात के आंकड़े 6 जून सुबह 9 बजे के हैं। बाकी सभी डेटा 5 जून के हैं।

बिजली उत्पादन में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई

- रेलवे ने माल-ढुलाई के आंकड़ों में संतुलित वृद्धि दर्ज की है
- पिछले हफ्ते माल ढुलाई में 9.36 फीसदी की तेजी रही
- बिजली संयंत्रों ने 5 जून को खत्म हुए सप्ताह के दौरान रोजाना औसतन 471.8 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन किया
- यह 2019 के समान सप्ताह के दौरान 411.9 करोड़ यूनिट बिजली उत्पादन की तुलना में 14.6 फीसदी अधिक है
- रोजाना औसतन 350,000 से अधिक लोगों ने घरेलू विमान लेना जारी रखा और पिछले हफ्ते की तरह ही 2,700 से अधिक विमानों ने रोजाना उड़ान भरी

पैगंबर टिप्पणी विवाद

ओआईसी का बयान संकीर्ण सोच वाला

नूपुर शर्मा

भारतीय जनता पार्टी से अब निलंबित एवं निष्कासित हो चुके दो नेताओं के पैगंबर मोहम्मद से संबंधित विवादित बयान पर इस्लामिक देशों की बढ़ती आलोचना के बीच भारत ने सोमवार को इस्लामिक देशों के संगठन (आईओसी) की टिप्पणियों को 'संकीर्ण सोच वाला, प्रेरित, भ्रमित एवं शरारतपूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया। भारत ने इस मामले में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ एवं विदेश मंत्रालय के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों का लगातार हनन करने वाले एक देश की किसी दूसरे देश में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवहार को लेकर टिप्पणी किसी के गले नहीं उतर रही है। ओआईसी के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत सभी धर्मों के प्रति सर्वोच्च सम्मान का भाव रखता है और 57 सदस्यीय समूह का बयान निहित स्वार्थी तत्त्वों की शह पर उसके विभाजनकारी एजेंडे को उजागर करता है।

ओआईसी ने पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ एक टिप्पणी को लेकर भारत की आलोचना की थी और संयुक्त राष्ट्र से आग्रह किया था कि मुसलमानों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। बागची ने कहा, 'हमने ओआईसी के सचिवालय से भारत को लेकर दिए गए बयान को देखा है। भारत सरकार ओआईसी सचिवालय की 'गैर जरूरी और संकीर्ण सोच वाली टिप्पणी' को सिरे से खारिज करता है। भारत सरकार सभी धर्मों के प्रति सर्वोच्च सम्मान का भाव रखती है।' उन्होंने कहा, 'कुछ व्यक्तियों द्वारा एक पूजनीय हस्ती के खिलाफ आक्रामक ट्वीट एवं अमर्यादित टिप्पणी की गई। ये टिप्पणियां किसी भी रूप में भारत सरकार के विचारों को प्रदर्शित नहीं करती हैं।' उन्होंने कहा कि संबंधित निकायों द्वारा इन लोगों के खिलाफ पहले ही कड़ी कार्रवाई की जा चुकी है। बागची ने कहा, 'यह खेदजनक है कि ओआईसी सचिवालय ने एक बार फिर से गुमराह करने वाली और शरारतपूर्ण टिप्पणी की। यह निहित स्वार्थी तत्त्वों की शह पर उसके विभाजनकारी एजेंडे को उजागर करता है।' उन्होंने कहा कि 'हम ओआईसी सचिवालय से आग्रह करते हैं कि वह सांप्रदायिक रुख को बढ़ाना बंद करे और सभी धर्मों एवं आस्थाओं के प्रति सम्मान प्रदर्शित करे।'

भाजपा ने विवादित बयानों के लिए अपनी राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा को रविवार को पार्टी से निलंबित कर दिया। वहीं, दिल्ली इकाई के मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल को पार्टी नेतृत्व ने भाजपा से निष्कासित करने का फैसला लिया। दोनों नेताओं की विवादित टिप्पणियों को लेकर कई खाड़ी देशों ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। टिप्पणियों को लेकर मुस्लिम समुदाय के विरोध के बीच भाजपा ने एक तरह से दोनों नेताओं के बयानों से किनारा करते हुए कहा कि वह सभी धर्मों का सम्मान करती है और उसे किसी भी धर्म के पूजनीय लोगों का अपमान स्वीकार्य नहीं है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को आरोप लगाया था कि भारत की वर्तमान सरकार धार्मिक स्वतंत्रता और विशेष रूप से मुसलमानों के अधिकारों को कुचल रही है। पाकिस्तान ने अपना विरोध दर्ज कराने के लिए सोमवार सुबह भारतीय उच्चायोग के प्रभारी को तलब किया था। कतर, कुवैत और ईरान ने इस मामले में भारतीय राजदूतों को तलब किया और इस विवादित बयान की निंदा की। सऊदी अरब, बहरीन और अफगानिस्तान ने भी विवादित बयान की निंदा की है।

सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी करके भाजपा प्रवक्ता की टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि इनसे पैगंबर मोहम्मद का अपमान हुआ है। उधर, बहरीन के विदेश मंत्रालय ने अपने नेताओं के खिलाफ भाजपा की कार्रवाई का स्वागत किया।

नूपुर शर्मा को धमकी मिलने पर प्राथमिकी दर्ज

दिल्ली पुलिस नुपूर शर्मा को उनकी विवादास्पद टिप्पणी के लिए धमकियां मिलने की शिकायतों पर प्राथमिकी दर्ज की है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को कहा, 'हमने प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।' उन्होंने बताया कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 153ए (धर्म, जाति, जन्मस्थान, निवास के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 506 (आपराधिक धमकी), 507 (गुमनाम संचार द्वारा आपराधिक धमकी), 509 (शब्द, हावभाव या कार्य, जिसका उद्देश्य किसी महिला की गरिमा का अपमान करना है) के तहत अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। *भाषा*

कोविड के मामले बढ़ते ही बूस्टर खुराक की बढ़ गई मांग

पृष्ठ 1 का शेष

देश भर में अब तक 3.54 करोड़ एहतियाती खुराक दी जा चुकी हैं। अधिकांश टीके सरकारी केंद्रों पर निःशुल्क लगाए गए हैं। मगर निजी केंद्रों पर भी टीकाकरण में तेजी आने की उम्मीद है।

18 से 59 आयु वर्ग के लोगों के बीच एहतियाती खुराक की मांग बढ़ी है, ऐसे में निजी टीकाकरण केंद्रों पर भी मांग बढ़ेगी। टीका विनिर्माताओं ने भी टीके के दाम घटा दिए हैं। कोविशील्ड और कोवैक्सीन के टीके 225 रुपये प्रति खुराक पर उपलब्ध हैं। कोर्बेवैक्स का टीका 250 रुपये प्रति खुराक पर उपलब्ध है। निजी अस्पताल टीके की कीमत में 150 रुपये शुल्क भी जोड़ते हैं। देश में 59 साल से कम आयु के लोगों को निजी केंद्रों पर एहतियाती खुराक लेने की अनुमति दी गई है वरिष्ठ नागरिकों, स्वास्थ्यकर्मियों आदि को सरकारी केंद्रों पर निःशुल्क एहतियाती खुराक दी जा रही है। मुंबई के तीन प्रमुख अस्पतालों ने बताया है कि लोगों में टीका लगवाने का उत्साह बढ़ गया है। हिंदुजा अस्पताल के सीओओ जॉय चक्रवर्ती ने कहा कि पिछले हफ्ते उनके टीका केंद्र पर काफी आमद देखी गई। मसीना हॉस्पिटल में कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट सोनम सोलंकी ने कहा कि कोविड मामले बढ़ने के साथ ही लोग अपनी तीसरी खुराक लेने पहुंच रहे हैं। बच्चों में भी टीकाकरण की दर बढ़ी है। सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में संक्रामक रोग के सह-निदेशक वसंत नागवेकर ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों को टीका दिलवाने ला रहे हैं। देसाई ने भी कहा कि स्कूल खुलने पर बच्चों में टीका लगवाने की दर बढ़ी थी लेकिन गर्मी की छुट्टियों के साथ इसकी रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ गई। अब स्कूल जून के मध्य में खुलेंगे जिसके बाद टीकाकरण में और तेजी आने की उम्मीद है।

संक्रामक बीमारियों पर ध्यान जरूरी

सोहिनी दास

सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड-19 के लिए पूरे संसाधन खर्च करने के बजाए भारत को अपनी पूरी ऊर्जा अन्य संक्रामक बीमारियों जैसे मलेरिया, डेंगू, तपेदिक और मियादी बुखार पर लगानी चाहिए जिसमें काफी तेजी आने की संभावना है। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ जैसे कि केरल में गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, मंजेरी में सामुदायिक चिकित्सा के सहायक प्रोफेसर टी एस अनीश का कहना है कि महामारी के दौरान तपेदिक और मियादी बुखार की घटनाएं कम थीं। इसकी वजह यह भी थी कि लोग घरों के भीतर रह रहे थे और सभी ने मास्क लगाए हुए था। दूसरी अहम बात यह थी कि स्वास्थ्य तंत्र ने कोविड मामलों के बढ़ते भार की वजह से कई अन्य मामलों पर जोर नहीं दिया।

उनका कहना है, 'इसमें प्रतिरोधक क्षमता का अभाव भी है। आबादी का एक बड़ा हिस्सा पिछले दो सालों में इन बीमारियों की चपेट में नहीं आया है ऐसे में संभावना यह है कि इन संक्रामक बीमारियों में तेजी से बढ़ोतरी होगी।' उनका कहना है कि भारत को इन बीमारियों से निपटने के लिए अपने संसाधनों और ऊर्जा पर ध्यान देना चाहिए। टीकाकरण सहित कोविड के अन्य खर्चों को भी धीरे-धीरे कम करना होगा।

यह सिर्फ उनकी ही राय नहीं है। वेलूर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज की प्रोफेसर और सूक्ष्म विषाणु विज्ञानी गगनदीप कांग कहती हैं, 'हमने काफी हद तक इस बीमारी और इसके प्रबंधन पर नियंत्रण कर लिया है। मेरे खयाल से सभी संसाधनों को एक ही बीमारी पर खर्च करना किसी बेहद अमीर देश या अमीर लोगों के लिए मुफीद हो सकता है। ऐसा समाज जहां असीमित संसाधन नहीं हैं, हमें यह भी देखना है कि बच्चे स्कूल जा सकते हैं या नहीं? क्या कारोबार सामान्य तरीके से चल सकते हैं? जब ऐसी स्थिति होगी और जब चीजें प्रभावित होंगी तब हमें इसके लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत पड़ेगी।'

फिलहाल गणितीय मॉडल के आधार पर भी हम निकट भविष्य में संक्रमण के मामले में तत्काल बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। बिज़नेस स्टैंडर्ड से बातचीत करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर के प्रोफेसर मणींद्र अग्रवाल महामारी को समझने के लिए गणितीय मॉडलिंग से जुड़े थे और उनका भी कहना है कि यह मॉडल भविष्य में किसी भी 'लहर' की आशंका नहीं जाहिर कर रहा है।

रोजाना संक्रमण के मामले में कोई तेज उछाल नहीं देखी जा रही है और आमतौर पर मॉडल इस तरह के रुझान को तेजी से अपनाते हैं। अग्रवाल का कहना है कि मॉडलिंग सामान्य तौर पर बरकरार रहेगी क्योंकि इस वायरस के नए म्यूटेशन वक्त-वक्त पर सामने आते रहेंगे। हालांकि अग्रवाल और उनकी टीम भविष्य के बारे में ज्यादा कुछ अनुमान लगाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं।

यह बिल्कुल सही कदम भी हो सकता है क्योंकि कांग का भी कहना है कि मॉडल तब ज्यादा सटीक होते है जब हम बीमारी के बारे में बहुत कुछ जानते हैं और हम भविष्य में बहुत लंबी अवधि के लिए कोई अनुमान नहीं लगा रहे हैं।

कांग का कहना है, 'लघु अवधि के मॉडलिंग के संदर्भ में मान लीजिए कि अगले दो या चार हफ्ते में हम जितने मामले की उम्मीद कर रहे हैं संभव है कि हम सटीक तरीके से उसे हासिल कर लेंगे।' विशेषज्ञ यह महसूस करते हैं कि भारत को अपनी निगरानी व्यवस्था को मजबूत करना होगा। ठीक इसी वक्त हमें भविष्य के लिए महामारी की नीति पर भी काम करना होगा। अनीश टी एस का कहना है, '25 से 30 सालों में अगला महामारी संभव होगा। हालांकि यह कोई भी नहीं जानता है कि ऐसा कब होगा। यह बैक्टिरिया वाली महामारी भी हो सकती है जिसका प्रबंधन और भी मुश्किल होगा क्योंकि हम इतनी आसानी से बैक्टिरिया के टीके नहीं तैयार कर सकते हैं और कई एंटीबायोटिक्स दवा प्रतिरोधक बैक्टिरिया के खिलाफ कारगर नहीं होगी।' उनका मानना है कि वायरस और बैक्टिरिया जिस तरीके से जानवरों या जलाशयों में संक्रमण के अनुकूल माहौल बनाती हैं उसमें जलवायु परिवर्तन की अहम भूमिका होगी और भविष्य में मनुष्यों पर भी इसका असर दिखेगा। वैश्विक स्तर पर आवाजाही बढ़ने की वजह से भी संक्रमण का तेजी से प्रसार होगा। उनका कहना है कि यह वक्त महामारी की नीति तैयार करने और हमारी शोध एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया को बेहतर बनाने का है।

विशेषज्ञों के मुताबिक भारत को अपनी पूरी ऊर्जा अन्य संक्रामक बीमारियों जैसे मलेरिया, डेंगू, तपेदिक और मियादी बुखार पर लगानी चाहिए जिसमें काफी तेजी आने की संभावना है

आईआईटी मद्रास में अलग सोच को मिलेगी तरजीह

विनय उमरजी

आखिर कोई किसी बात को अलग तरह से कैसे सोच सकता है? भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास ने गणित के जरिये 'आउट ऑफ दि बॉक्स थिंकिंग' पाठ्यक्रम की घोषणा की है। नई तरह के सोच को प्रोत्साहित करने के मकसद से करीब 10 लाख स्कूली बच्चों, कॉलेज के छात्रों को इस कोर्स के लिए लक्षित किया जा रहा है जिसका हिस्सा पेशेवर लोग और शोधकर्ता भी होंगे। भारत और विदेश में रह रहे लोगों के लिए यह पाठ्यक्रम ऑनलाइन माध्यम के जरिये मुफ्त में उपलब्ध होगा।

आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामकोटि कहते हैं, 'आउट ऑफ दि बॉक्स थिंकिंग दरअसल तर्कशक्ति का इस्तेमाल कर अप्रत्यक्ष या रचनात्मक तरीके से समस्या का समाधान करना है और इसमें परंपरागत चरणबद्ध तरीके से तर्क का इस्तेमाल कर तुरंत किसी समाधान को ढूंढने की बात शामिल नहीं है।' इस अनूठे कोर्स में तार्किक तरीके से गणित के ज्ञात और अज्ञात तथ्यों को दिलचस्प और व्यापक नजरिये से हासिल करने पर जोर दिया जाता है।

चार ग्रेड वाले स्वतंत्र स्तर का कोर्स छात्रों, पेशेवरों और शोधकर्ताओं के लिए उपलब्ध होगा। इसे गणित के शिक्षक और आर्यभट्ट इंस्टीट्यूट ऑफ मैथेमेटिकल साइंसेज के संस्थापक-निदेशक सदगोपन राजेश पढ़ाएंगे और यह कोर्स समस्या समाधान के कई तरीके की पेशकश करेगा। यह एक ऐसी नई तकनीक की पेशकश करेगा जिसे समझना आसान होगा और यह उपयोगकर्ताओं को पूरे आत्मविश्वास और सहूलियत के साथ वास्तविक जीवन के प्रोजेक्ट के साथ रूबरू करा रहा है।

राजेश ने कहा, 'समस्या का समाधान करने के साथ-साथ सुडोकू पहेली को हल करने से लेकर महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं को पूरा करने तक अंकगणित से कहीं अधिक अहम चीजें शामिल होती हैं। इसके लिए रचनात्मक सोच और व्यापक धारणा की जरूरत होती है जिसे अक्सर 'आउट ऑफ दि बॉक्स' सोच के नाम से जाना जाता है।'

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
विजया VIJAYA देना DENA

जेडओएसएआरबी, चौथा तल, राजेन्द्र भवन, राजेन्द्र प्लेस, दिल्ली–110008,
armdel@bankofbaroda.co.in

अचल सम्पत्तियों के विक्रय हेतु ई–नीलामी विक्रय नोटिस

परिशिष्ट– IV-A [नियम 9(1) देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 9(1) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन

आम लोगों को और विशेष रूप से कर्जदार(रों) और गारंटर(रों) को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, का **कब्जा**, प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **"जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है"** के आधार पर नीचे निम्नवर्णित कर्जदारों/गारंटर्स को प्रत्याभूत – दाता की नीचे वर्णित रुपए की बकाया राशि की वसूली हेतु नीचे वर्णित दिनांक को बेचा जाएगा। कर्जदारों/गारंटर्स/प्रतिभूत आस्तियां/बकाया/आरक्षित मूल्य/ई–नीलामी की तिथि एवं समय, धरोहर राशि और बोली वृद्धि राशि नीचे वर्णित रूपए होगी।

कर्जदार और गारंटर्स का नाम एवं पता	अचल संपत्ति का विवरण ज्ञात भार के साथ, यदि कोई हो	आरक्षित मूल्य (रु.) / धरोहर राशि / न्यूनतम बोली वृद्धि राशि	कुल बकाया
मैसर्स श्रीम इंडस्ट्रीज प्रा. लि., पंजीकृत कार्यालयः 1702/12, श्रीनाथ मार्केट, भागीरथ प्लेस, चांदनी चौक, दिल्ली–110006, और: यूनिटः बी–17, आईआईई सैक्टर–1, ग्रोथ सेंटर, सिगद्दी, कोटद्वार, उत्तराखंड – 249304 और: यूनिट : डी–20 सेक्टर–1, आईआईई ग्रोथ सेंटर, सिगद्दी, कोटद्वार, उत्तराखंड – 249304, श्री उमा शंकर शर्मा पुत्र श्री राम बाबू शर्मा, श्रीमती प्रीति शर्मा पत्नी श्री उमा शंकर शर्मा, श्री शुभम शर्मा पुत्र श्री उमा शंकर शर्मा, निवासीः 6/16, फ्लैट नं. 1, रूप नगर, दिल्ली–110007	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि रिहायशी मकान प्लॉट नं. 99, खसरा नं. 299, क्षेत्रफल 93.88 वर्ग मी., गाँव–ज्वालापुर, परगना, ज्वालापुर, तहसील और जिला हरिद्वार, उत्तराखंड में स्थित, यह सम्पत्ति सुश्री प्रीति शर्मा पत्नी श्री उमा शंकर शर्मा के नाम पर है। चौहद्दी : पूरब में – 25फीट रोड, पश्चिम में – बालाकिशन की भूमि, उत्तर में – प्लॉट नं. 98, दक्षिण में – प्लॉट नं. 100 कब्जे की स्थिति (रचनात्मक / भौतिक): भौतिक कब्जा	₹ 43.00 लाख ₹ 4.30 लाख ₹ 0.50 लाख निरिक्षण की तिथि एवं समयः 22-06-2022 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपाह्न 04.00 बजे तक	रु. 11,20,24,220.01 दिनांक 01.10.2019 से भविष्य का ब्याज, लागत, खर्चे और अन्य आकस्मिक प्रभार इत्यादि वसूली घटाकर

ई–नीलामी तिथि एवं समय : 28-06-2022 को अपाह्न 02.00 बजे से अपाह्न 06.00 बजे तक

बोली का टेंडर करना उद्र संपत्तियों की कानूनी और तथ्यात्मक स्थिति को स्वीकार योग्य राशि होगी। उपरोक्त संपत्तियों के हस्तांतरण से संबंधित सभी प्रभार बोलीदाता द्वारा वहन किए जाएंगे। बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया बैंक की वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm & https://ibapi.in पर दिए गए लिंक को देखें।
इच्छुक बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी मो.: 9711908984 से सम्पर्क करे।

दिनांक : 06-06-2022, स्थान : नई दिल्ली
प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

JKCement
जे.के. सीमेन्ट लिमिटेड
सीआइएन : L17229UP1994PLC017199
पंजीकृत कार्यालय : कमला टावर, कानपुर–208001, उ.प्र.
टेलीफोन : +91 512 2371478 फैक्स : +91 512 2332665
ईमेल : shambhu.singh@jkcement.com वेब : www.jkcement.com

इक्विटी शेयरों का निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा निधि में अंतरण के पूर्व इक्विटी शेयरहोल्डर्स/सदस्यों को सूचना

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 124(6) के प्रावधानों के अनुपालन में सदस्यों को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि, कंपनी के उन इक्विटी शेयरों को, जिनके लाभांश का दावा या भुगतान लगातार सात वर्षों या अधिक समय से नहीं किया गया है, को कंपनी द्वारा भारत सरकार के निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा निधि (आई ई पी एफ) में अनिवार्य रूप से अंतरित किया जाना अपेक्षित है।

दिनांक 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के दावा रहित या भुगतान रहित लाभांश वर्तमान में कंपनी के पास हैं और इन्हें सितम्बर 2022, के प्रथम सप्ताह में आई ई पी एफ को अंतरित किया जाना प्रस्तावित है। जैसे कि पहले सूचित किया जा चुका है कि कंपनी द्वारा दिनांक 31 मार्च, 2013 एवं 31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष तक के दावा रहित या भुगतान रहित लाभांशों तथा अंतर्निहित शेयरों का आई ई पी एफ में अंतरण किया जा चुका है/किया जाना है।

जिन सदस्यों ने लगातार सात वर्षों तक अपने लाभांश का दावा नहीं किया है, उनका विवरण कंपनी की वेबसाइट www.jkcement.com पर 'Information about IEPF' सेक्शन पर उपलब्ध है। उनको अपना दावा कम्पनी के रजिस्ट्रार व शेयर ट्रांसफर एजेण्ट, NSDL Database Management Limited (NDML) 4th Floor, Trade World, A wing, Kamala Mills Compound, Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Mumbai- 400 013 के पते पर प्रेषित करना होगा। यदि कंपनी को दिनांक 02.09.2022 तक कोई भी वैध दावा प्राप्त नहीं होता है तो कंपनी सितम्बर, 2022 के प्रथम सप्ताह में ऐसे शेयरों को आई ई पी एफ को अंतरित करने की दिशा में आगे की कार्यवाही करेगी। एक बार कंपनी द्वारा ऐसे शेयरों को आई ई पी एफ को अंतरित कर देने के पश्चात, सम्बधित सदस्य ऐसे शेयरों पर दावा केवल आई ई पी एफ प्राधिकरण को ही इस हेतु नियत प्रक्रिया के तहत प्रस्तुत कर सकेंगे। कंपनी द्वारा एक बार आई ई पी एफ को शेयर अंतरित करने के पश्चात् ऐसे दावा रहित या भुगतान रहित शेयरों की वापसी के सम्बंध में कोई भी दावा कंपनी द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस हेतु किसी भी प्रकार का स्पष्टीकरण shambhu.singh@jkcement.com / sunilk@nsdl.co.in पर ई–मेल भेज कर अथवा टेलीफोन नं0 +022 4914 2589/2700 पर फोन करके प्राप्त किया जा सकता है।

यह सूचना आई ई पी एफ प्राधिकरण (लेखा, अंकेक्षण, अंतरण तथा धनवापसी) नियम 2016 (नियम) के प्रावधानों के अनुरूप प्रकाशित की गयी है।

स्थानः कानपुर
दिनांकः 06/06/2022

कृते जे. के. सीमेण्ट लिमिटेड
शम्भू सिंह
उपाध्यक्ष (विधि) एवं कम्पनी सचिव
आईसीएसआई मेम्बरशिप सं0 एफसीएस 5836